सांध्य दैनिक

4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 34 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 7 मार्च, 2023

आधी आबादी की वोटों पर सियासी... 3 | हमेशा सत्ता में नहीं रहेगी भाजपा, कांग्रेस जरूर... 8

बिहार से लेकर दिल्ली तक सियासी घमासान

सिसोदिया पर ईडी का शिकंजा | लालू से सीबीआई कर रही है पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल राबड़ी देवी से पूछताछ के बाद सीबीआई आज पूर्व सीएम व राजद नेता लालू प्रसाद यादव के घर पहुंची। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में यह पूछताछ हो रही है। अधिकारियों के अनुसार, पांच सीबीआई अधिकारियों का एक दल दो कार में सवार होकर मंगलवार को सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर पंडारा पार्क में मीसा भारती के आवास पर पहुंचा। उनसे पूछताछ दिन भर जारी रहेगी।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने इस मामले में आपराधिक षडयंत्र और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के प्रावधानों के तहत प्रसाद, राबड़ी देवी और 14 अन्य के खिलाफ पहले ही एक आरोपपत्र दाखिल कर दिया है और सभी आरोपियों को 15 मार्च को अदालत में पेश होने के लिए सम्मन भेजा गया है। यह पूछताछ आगे की जांच के तौर पर की जा रही है जिसमें जांच एजेंसी धन के लेनदेन और वृहद साजिश का पता लगाने की कोशिश कर रही है। कल ही पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद को नोटिस जारी किया है। यह मामला लालू प्रसाद के 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहने के दौरान उनके परिवार को तोहफे में जमीन दे कर या जमीन बेचने के बदले में रेलवे में कथित तौर पर 'ग्रूप-डी की नौकरी दिए जाने से संबंधित है।

सिसोदिया से तिहाड़ में ईडी का जवाब-तलब

दिल्ली शराब घोटाले में सीबीआई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मनीष सिसोदिया से पूछताछ की। इसके पहले ईडी सिसोदिया का बयान रिकॉर्ड करने के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट से इजाजत मांगी। ईडी के अधिकारी दोपहर तक तिहाड़ पहुंचे।

बीजेपी के विरोध का नतीजा है : तेजस्वी

लालू प्रसाद के बेटे एवं बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सीबीआई की कार्रवाई उनके परिवार द्वारा भारतीय जनता पार्टी का लगातार किये जा रहे विरोध का नतीजा है। उन्होंने कहा कि यह जाहिर है कि जांच एजेंसियां बीजेपी के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और उन लोगों की मदद कर रही है जो उस पार्टी (भाजपा) के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि तत्कालीन रेल मंत्री के तौर पर किसी लाभ के एवज में नौकरी देने की उनके पिता के पास कोई शक्तियां नहीं थीं।

जेल में खूंखार क्रिमिनल्स हैं सिसोदिया के पड़ोसी

51 साल के मनीष सिसोदिया को तिहाड़ की 1 नंबर जेल में वार्ड नंबर 9 में रखा गया है। यह सीनियर सिटीजन वार्ड है, जहां उन पर सीसीटीवी की निगरानी भी रहेगी। इसी वार्ड में कुछ खूंखार अपराधी भी सिसोदिया के पड़ोसी हैं। जेल अधिकारियों के मुताबिक आने वाले दिनों में सिसोदिया को अपनी सेल किसी दूसरे आरोपी के साथ शेयर करनी पड़ सकती है। पहले दिन सिसोदिया को जेल में एक स्पर्श किट दी गई है, जिसमें टूथपेस्ट, साबुन, टूथब्रश और रोजाना इस्तेमाल की जाने वाली चीजें शामिल हैं।

लालू प्रसाद जी व उनके परिवार को वर्षों से किया जा रहा है प्रताड़ित : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक ट्वीट में कहा,''जो विपक्षी नेता बीजेपी के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं, उन्हें ईडी-सीबीआई के जरिये प्रताड़ित किया जा रहा है। आज राबड़ी देवी जी को परेशान किया जा रहा है, लालू प्रसाद जी व उनके परिवार को वर्षों से प्रताड़ित किया जा रहा है, क्योंकि वे झुके नहीं। बीजेपी विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है।

हैदराबाद के शराब कारोबारी पिल्लई गिरफ्तार

इसी केस में ईडी ने हैदराबाद के शराब कारोबारी अरुण रामचंद्र पिल्लई को गिरफ्तार कर लिया है। यह इस मामले में 11वीं गिरफ्तारी है। पिल्लई को लंबी पूछताछ के बाद सोमवार को तहत गिरफ्तार किया गया है। अरुण, शराब कारोबारियों के साउथ ग्रुप का हेड है। उसे लोकल कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां ईडी पूछताछ के लिए उसकी कस्टडी की मांग करेगी।

जेल की कोठरी सिसोदिया के हौसले नहीं तोड़ पाएगी : केजरीवाल

केजरीवाल ने सिसोदिया को लेकर कहा-आज मैं चिंतित हूं तो देश के लिए, सिसोदिया या सत्येंद्र जैन के लिए नहीं। वे दोनों बहुत बहादुर हैं, देश के लिए जान भी दे सकते हैं। जेल की कोठरी सिसोदिया के हौसले नहीं तोड़ पाएगी। केजरीवाल ने कहा- मैंने तय किया है होली पर पूरा दिन देश के लिए ध्यान करूंगा। अगर आपको लग रहा है कि प्रधानमंत्री जी ठीक नहीं कर रहे हैं तो मेरी आपसे विनती है, होली मनाने के बाद थोड़ी देर के लिए देश के लिए पूजा करना।

पापा को कुछ हुआ तो किसी को नहीं छोड़ूंगी : रोहिणी आचार्य

लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य की प्रतिक्रिया आई है। रोहिणी आचार्य ने ट्वीट कर लिखा कि, पापा को लगातार परेशान किया जा रहा है। अगर उन्हें कुछ हुआ तो मैं किसी को नहीं छोड़ूंगी। पापा को तंग कर रहे हैं यह ठीक बात नहीं है। यह सब याद रखा जाएगा। समय बलवान होता है, उसमें बड़ी ताकत होती है. यह याद रखना होगा। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा पापा को ये लोग तंग कर रहे है. अगर उनके तंग करने के कारण उन्हें जरा भी परेशानी होगी तो दिल्ली की कुर्सी हिला देंगे। अब बर्दाश्त करने की सीमा जवाब दे रही है।

बिहार के मजदूरों को नहीं होगी कोई परेशानी : राज्यपाल रवि

» तमिलनाडु हिंसा को लेकर दोनों राज्यपालों ने की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने तमिलनाडु में बिहार के मजदूरों पर हो रहे हिंसात्मक हमले की खबरों के विषय में वहां के राज्यपाल आर एन रवि से बात की। इस बीच लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान भी तमिलनाडु पहुंचकर पूरी स्थिति को जानने का प्रयास किया।

बिहार के राज्यपाल आर्लेकर ने तमिलनाडु के राज्यपाल रवि से फोन पर बात की। तमिलनाडु के राज्यपाल ने उन्हें बताया कि वहां रह रहे बिहार के लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं तथा उन्हें एवं उनके परिजनों को इस संबंध में चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की सरकार एवं प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है। राज्यपाल ने वहां बिहार के प्रवासी श्रमिक खुद को असुरक्षित महसूस नहीं करें। उन्होंने बिहार के राज्यपाल आर्लेकर को आश्वस्त किया कि वहां बिहार के मजदूरों को कोई कठिनाई नहीं होगी।

चिराग ने भी तमिलनाडु के राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

इधर, लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान सोमवार को तमिलनाडु के दौरे पर थे। लोजपा (रामविलास) की ओर से बताया गया कि तमिलनाडु में रह रहे बिहारी मजदूर एवं कामगारों पर हो रहे उत्पीड़न को लेकर लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने तमिलनाडु के राज्यपाल से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। इससे पहले भी पासवान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले में एक पत्र लिखा था।

बिहार पुलिस भी जांच में जुटी

इधर, बिहार पुलिस भी इस मामले की जांच में जुटी है। अपर पुलिस महानिदेशक जी एस गंगवार ने बताया कि तमिलनाडु राज्य में प्रवासी बिहार के निवासियों के साथ कतिपय हिंसात्मक घटनाओं से सम्बन्धित सोशल मीडिया पर प्रसारित असत्य, भ्रामक एवं उन्माद फैलाने वाले वीडियो एवं पोस्ट पर जांचोपरांत मामला दर्ज कर लिया गया है।

सारे राज्यों में पेंशन बंद है सिर्फ बंगाल दे रहा : ममता

» डीए की मांग पर विधानसभा में भड़कीं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के कर्मियों से कहा आप ही बताएं पेंशन हटाकर डीए दे दूं क्या? रिटायर्ड सरकारी कर्मचारियों को पेंशन का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया, देश का कोई भी राज्य अब रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन नहीं देता है। सिर्फ हम देते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पेंशन बंद कर डीए दिया जाए। पेंशन नहीं दी तो राज्य सरकार के पास काफी पैसा होगा। तो मैं डीए दे सकती हूं।

डीए बकाया की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने डीए की मांगों को पूरा करने को लेकर राज्य सरकार की स्थिति कई बार स्पष्ट की है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में खड़े होकर सरकारी कर्मचारियों से कहा,मेरा सिर काट लीजिए फिर भी इससे ज्यादा डीए मैं नहीं दे सकती। सोमवार को विधानसभा में बजट सत्र की चर्चा में ममता बनर्जी बकाया डीए के मुद्दे पर भड़क गई।

माणिक साहा को विधायक दल का चुना गया नेता

» फिर बनेंगे त्रिपुरा के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अगरतला। माणिक साहा त्रिपुरा के सीएम पद की शपथ लेंगे। माणिक साहा एक बार फिर से सीएम पद की कमान संभालने जा रहे हैं। त्रिपुरा बीजेपी की विधायक दल की बैठक खत्म हुई जिसमें माणिक साहा को नेता चुना गया। मुख्यमंत्री और नई कैबिनेट का शपथ ग्रहण बुधवार 8 मार्च को होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे।

मई 2022 में तत्कालीन सीएम बिप्लब कुमार देब के इस्तीफे के कुछ घंटे बाद ही पार्टी ने माणिक साहा को अगला सीएम घोषित किया था। माणिक साहा ने 15 मई 2022 को राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। माणिक साहा साल 2016 में बीजेपी में शामिल हुए थे। इससे पहले वे कांग्रेस में थे। बीजेपी से जुड़ने के बाद उन्हें बूथ प्रबंधन समिति और राज्य स्तरीय स्दस्यता अभियान के प्रभारी का जिम्मा सौंपा गया था। माणिक साहा को सीएम बनने से एक महीने पहले ही राज्यसभा सांसद चुना गया था। सीएम बनाए जाने के बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता छोड़ दी थी।

बीजेपी-आईपीएफटी गठबंधन को 33 सीटें

त्रिपुरा में बीजेपी-आईपीएफटी गठबंधन ने 60 सदस्यीय विधानसभा में 33 सीट जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की। पूर्ववर्ती राजघराने के वशंज प्रद्योत किशोर देबबर्मा की ओर से गठित टिपरा मोथा पार्टी को 13 सीट मिली हैं जबकि वाम-कांग्रेस गठबंधन ने 14 सीट हासिल की हैं।

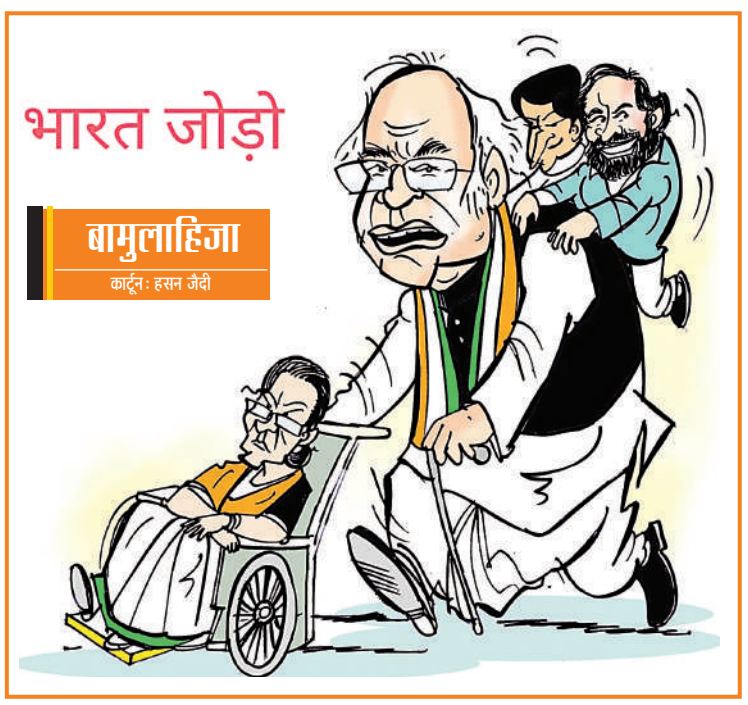

आधी आबादी की वोटों पर सियासी नजर

कर्नाटक,छत्तीसगढ़, यूपी समेत सभी राज्यों ने बजट में दिया महिलाओं को कई लाभ

» कांग्रेस-आप-बीजेपी-सपा चुनावों में देंगे महत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण भारत सारे राज्यों की राजनीति में पिछले कुछ सालों में महिलाओं का दबदबा बढ़ा है। महिलाओं के दबदबे का असर राजनैतिक दलों पर भी दिखाई देता रहता है। राज्य विधानसभा हो या लोकसभा चुनाव हर राजनैतिक पार्टी के घोषणा पत्र में महिलाओं को कुछ न कुछ देने के वादे जरूर किए जाते हैं। बीजेपी, कांग्रेस से लेकर अन्य सभी पार्टियों ने सत्ता में रहते हुए महिलाओं, बालिकाओं व शिशुओं लिए कुछ न कुछ योजनाएं जरूर दी है।

सियासी पार्टियों को आधी आबादी को तव्वजो देना मजबूरी भी और जरूरत भी। लगभग पूरे देश में महिलाओं की वोटिंग का प्रतिशत पुरुषों के आस-पास ही रहता है। इसलिए सभी राजनैतिक दल इनको अपने पक्ष में करने की कोशिश में लगे रहते हैं। वहीं मोदी सरकार ने भी अपने बजट में महिलाओं को कई लाभ देने की घोषणा की है। पार्टियां व राज्य सरकारें जैसे महिलाओं को आकर्षित कर रही है उससे ऐसा लग रहा है कि सबकी नजर 2024 लोकसभा चुनावों पर है।

मप्र में लाडली बहना को आगे बढ़ाएंगे शिवराज-कमलनाथ

अभी हाल ही मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार ने लाडली बहना योजना शुरू किया है। गौरतलब हो कि नवंबर-दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों में महिला वोटरों की भूमिका अहम रहने वाली है। 41 जिलों में तो महिला वोटरों की संख्या पुरुषों से अधिक हो गई है। इसे देखते हुए दोनों प्रमुख पार्टियां उन्हें आकर्षित करने में लग गई हैं। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियों के एजेंडे में महिलाओं के अधिक से अधिक वोट हासिल करना प्रमुखता से है। इन वोट्स पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना के जरिये मजबूत दावा पेश किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ इसका महत्व समझते हैं। इस वजह से उन्होंने इसी योजना को विस्तार देने का एलान किया है। मध्यप्रदेश में 41 जिलों में महिला वोटरों की संख्या अब पुरुष वोटरों से अधिक हो गई है। कुल वोटरों में महिलाओं का अनुपात भी बढ़ा है। 2018 में मध्यप्रदेश में एक हजार पुरुष वोटर्स पर 898 महिला वोटर थीं। 2023 में आंकड़ा बढ़कर 931 हो गया है। इस समय प्रदेश में 2.79 करोड़ पुरुष वोटर और 2.60 करोड़ महिला वोटर है। शिवराज सरकार को भरोसा है कि इन 2.6 करोड़ महिला वोटरों में से करीब 60 लाख महिलाएं लाड़ली बहना

योजना की हितग्राही होंगी। इस वजह से शिवराज की इस योजना को उनका मास्टर स्ट्रोक कहा जा रहा है। एक और कारण है, प्रदेश में हर विधानसभा चुनाव में महिलाओं के वोट बढ़ रहे हैं। 2008 के विधानसभा चुनावों में पुरुष और महिला वोटिंग में सात प्रतिशत का अंतर था। वहीं, 2013 में यह घटकर चार और 2018 में दो प्रतिशत रह गया। यानी लोकतंत्र के उत्सव में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से कम नहीं, बल्कि बराबर हो रही है। ऐसे में उनके लिए किसी भी योजना की घोषणा पार्टी के पक्ष में ही होगी। राजनीतिक दलों के महिलाओं पर बढ़ते फोकस का एक और बड़ा कारण यह भी है कि 2018 में 51 सीटों महिलाओं ने वोटिंग में पुरुषों को पीछे छोड़ दिया था। इनमें से करीब 80 प्रतिशत सीटों पर भाजपा की जीत हुई थी। करीब दो दर्जन सीटों पर महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 80 प्रतिशत से भी अधिक था। यह बताता है कि महिलाओं का बढ़ा प्रतिशत भाजपा को फायदा पहुंचा सकता है। 2018 के चुनावों की बात करें तो 230 सीटों के सदन में भाजपा ने 109 और कांग्रेस ने 114 सीटों पर जीत हासिल की थी। किसी तो भी स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। खास बात यह थी कि भाजपा (41.02प्रतिशत) को कांग्रेस (40.89प्रतिशत) से अधिक वोट मिले थे। इसके बाद भी पांच सीटें कम पड़ गई थी। पिछले चुनावों में भाजपा ने 10 प्रतिशत टिकट महिला उम्मीदवारों को दिए थे, जबकि कांग्रेस ने 12 प्रतिशत टिकट। यानी टिकट वितरण में कांग्रेस ने भाजपा से ज्यादा महिलाओं पर भरोसा जताया था। इस बार भी कांग्रेस ज्यादा महिलाओं को उम्मीदवार बनाकर आधी आबादी का भरोसा जीतने की कोशिश कर सकती है। दूसरी ओर, कमलनाथ ने लाड़ली बहना योजना का विरोध करने के बजाय यह कहकर विरोधी खेमे में हलचल बढ़ा दी कि जीतकर आए तो पात्र महिलाओं को 12 के बजाय 18 हजार रुपये सालाना देंगे। यानी हर महीने 1,500 रुपये। यह एक बड़ा दांव साबित हो सकता है।

भूपेश देंगे कन्या विवाह के लिए 50 हजार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निराश्रितों बुजुर्गों, दिव्यांगों, विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत दी जाने वाली मासिक पेंशन की राशि 350 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए प्रति माह की जाएगी। महिलाओं, बच्चों के पोषण और टीकाकरण के लिए प्रदेश भर में संचालित 46 हजार 660 आगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दी जाने वाली मासिक मानदेय की राशि 06 हजार 500 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 10 हजार रुपए प्रति माह की जाएगी। आंगनबाड़ी सहायिकाओं का मानदेय 03 हजार 250 रुपए से बढ़ाकर 05 हजार रुपए प्रति माह किया जाएगा। मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 04 हजार 500 रुपए से बढ़ाकर 07 हजार 500 रुपए प्रति माह किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए प्रोत्साहन से लेकर स्वास्थ्य विभाग की हर छोटी-बड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करने वाली मितानिन बहनों को पहले से दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त राज्य मद से 2200 रुपए प्रति माह की दर से मानदेय दिया जाएगा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि को 25 हजार से बढाकर 50 हजार किया जाएगा। इसके लिए बजट में 38 करोड का प्रावधान बतौर वित्त मंत्री अपने कार्यकाल का पांचवा बजट पेश किया है।

मेघालय में पार्टियों ने खोला वादों का पिटारा

उधर मेघालय में विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि विधवा महिलाओं को सलाना 24000 रुपए आर्थिक मदद के तौर पर दिए जाएंगे। लड़कियों के लिए केजी से स्नातक तक फ्री शिक्षा का वादा किया है। उज्वला योजना के लाभार्थियों को सालाना दो एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। हम बेटी के जन्म पर 50,000 रुपये का बांड देंगे और बालिकाओं को किंडरगार्टन से पोस्ट ग्रेजुएशन तक मुफ्त शिक्षा देंगे। उधर कांग्रेस व अन्य दलों ने भी महिलाओं के लिए लोकलुभावन षोषणाएं की थी।

कर्नाटक में कांग्रेस आई तो महिला मुखिया को 2000 रुपए महीना

उधर हाल ही में कर्नाटक दौरे पर गई कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 'ना नायकी' रैली में राज्य में सत्ता में आने पर परिवार की महिला मुखिया को 2000 रुपए महीना देने का ऐलान किया था। अभी हाल में बेंगलुरु में कांग्रेस ने महिलाओं के लिए 'ना नायकी' यानी 'मैं नेता हूं' रैली आयोजित की। इसमें पार्टी की जनरल सेक्रेटरी प्रियंका गांधी शामिल हुईं। इसका ऐलान स्टेट कांग्रेस प्रेसिडेंट डीके शिवकुमार ने किया। प्रियंका ने बताया कि यह राशि सीधे महिलाओं के अकाउंट में भेजी जाएगी। इसे गृह लक्ष्मी योजना के तहत लागू किया जाएगा। आगामी चुनावों के लिए यह कांग्रेस की तरफ से दूसरा वादा है। पिछले हफ्ते भी पार्टी ने प्रजाध्वनी यात्रा के लॉन्च पर सभी घरों को 200 यूनिट बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। कांग्रेस ने कहा कि इस स्कीम के जरिए वह गैस के आसमान छूते दामों और रोजाना के खर्चों के भार से महिलाओं को कुछ राहत देना चाहती है। साथ ही यह भी कहा कि कांग्रेस

कर्नाटक की हर महिला को आर्थिक आजादी देना चाहती है। प्रियंका ने इस रैली में भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 40 प्रतिशत कमीशन लेकर राज्य के 1.5 लाख करोड़ रुपए अपनी जेब में कर लिए हैं। यहां आपको हर काम के लिए रिश्वत देनी पड़ती है। यहां जिंदगी बहुत महंगी हो गई है, लेकिन कोई सरकार को दोषी नहीं ठहरा रहा है। इसलिए सरकार यहां लोगों का ध्यान बेकार के विवादों में खींच रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की पॉलिसी से कुछ ही लोगों को फायदा होता है और ये कुछ लोग अमीर से और अमीर होते जाते हैं। वहीं, कांग्रेस के नेता सिद्दारमैया ने कहा- बीजेपी भले ही 3 साल से सत्ता में है, लेकिन इस पार्टी ने महिलाओं के लिए एक भी कार्यक्रम नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब से कांग्रेस ने लोगों को 200 यूनिट फ्री बिजली देने का ऐलान किया है, तब से भाजपा ने झूठे प्रलोभन देकर लोगों को लालच देने का काम शुरू कर दिया है।

नागालैंड में पहली बार 2 महिला विधायक

नागालैंड के चुनाव में इस बार महिलाओं ने इतिहास रच दिया है। यहां बीते 60 सालों से कोई महिला विधायक नहीं चुनी गई थी। लेकिन इस चुनाव में 2 महिलाओं ने जीत हासिल की है। जीत हासिल करने वाली दोनों महिला उम्मीदवार एनडीपीपी से हैं। नागालैंड में बीजेपी गठबंधन 39 सीटों पर आगे है। यहां बीजेपी गठबंधन की स्पष्ट बहुमत की सरकार बनती दिख रही है। ये हैं दीमापुर-तृतीय सीट से एनडीपीपी की हेखनी जाखलू और पश्चिमी अंगामी सीट पर एनडीपीपी की सलहौतुओनुओ। बता दें कि नागालैंड को जब से राज्य का दर्जा मिला, उसके बाद के 60 सालों के इतिहास में यहां से अब तक कोई महिला विधायक नहीं चुनी गई थी। ये बात नागालैंड के लिए इसलिए भी चौंकाती है क्योंकि यहां महिला वोटरों की संख्या पुरुष वोटरों की अपेक्षा ज्यादा है। यहां 6.52 लाख पुरुषों के मुकाबले 6.55 लाख महिला वोटर हैं। नागालैंड में 27 फरवरी को वोटिंग हुई थी और राज्य की 59 सीटों के लिए आज वोटों की गिनती हो रही है। दरअसल यहां की अकुलुतो सीट से बीजेपी उम्मीदवार काजेतो किनिमी निर्विरोध जीत गए थे, इसलिए यहां कुल 60 में से 59 सीटों पर ही वोटिंग हुई थी। नागालैंड विधानसभा चुनाव में कुल 183 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिसमें से केवल 4 महिला उम्मीदवार हैं। दीमापुर-तृतीय सीट से एनडीपीपी की हेखनी जाखलू, पश्चिमी अंगामी सीट पर एनडीपीपी की सलहौतुओनुओ, तेनिंग सीट पर कांग्रेस की रोजी थॉम्पसन और अटोइजू सीट से भाजपा की काहुली सेमा इस बार मैदान में उतरी थीं। ऐसा नहीं है कि नागालैंड में केवल विधानसभा चुनावों में ही महिला प्रतिनिधियों की कमी रही है बल्कि साल 1977 से लेकर अब तक यहां से महिला सांसद भी केवल 2 ही रही हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पूछताछ बहाना, कहीं और निशाना

जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने के मामले की पड़ताल के लिए पूछताछ करने कोशिश सीबीआई की टीम पटना स्थित राबड़ी आवास में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से पूछताछ कर रही है। आपको बता दें कि 2015 में जब बिहार में नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर बिहार में सरकार का गठन किया था।

बिहार में राबड़ी देवी के घर सीबीआई पूछताछ के लिए पहुंची। इससे पहले दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भी सीबीआई ने रिमांड पर लिया बाद में मामला कोर्ट तक पहुंचा और सिसोदिया को हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्यवाही पर आप के साथ राजद ने भी मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया। कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी ने भी इसकी निंदा की है। इससे पहले रविवार को आप समेत नौ दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री को सीबीआई व ईडी के कार्रवाई के खिलाफ चिट्ठी लिखकर कहा है कि ये दोनो एजेंसियां सिर्फ विपक्ष के खिलाफ ही डंडा चला रही हैं। गौरतलब हो कि जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने के मामले की पड़ताल के लिए पूछताछ करने कोशिश सीबीआई की टीम पटना स्थित राबड़ी आवास में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से पूछताछ कर रही है। आपको बता दें कि 2015 में जब बिहार में नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर बिहार में सरकार का गठन किया था। इसके बाद से ही बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने आरजेडी और लालू परिवार के जरिए किए गए भ्रष्टाचार के कई खुलासे किए थे। इसके बाद से ही लालू यादव के बुरे दिन शुरू हो गए थे।

2015 में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद से ही बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने लालू परिवार के किए गए कई भ्रष्टाचार का उजागर किया था। चाहे वह टिकट के बदले जमीन का मामला हो या फिर मॉल बनाने का मामला हो। सुशील कुमार मोदी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के किए गए कई भ्रष्टाचार का खुलासा किया था। इन्हीं खुलासों में से एक खुलासा यह था कि बतौर रेल मंत्री रहते लालू प्रसाद यादव ने रेलवे की ग्रुप डी में कई लोगों को उनके जमीन लेकर नौकरी देने का काम किया था। इस मामले पर सीबीआई ने संज्ञान लेकर लालू परिवार पर शिकंजा कसा। इसके बाद कोर्ट ने लालू परिवार समेत कुल 16 लोगों को 15 मार्च 2023 को दिल्ली की अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। लेकिन इसके ठीक 9 दिन पहले यानी 6 मार्च 2023 को ही सीबीआई की 12 सदस्य टीम ने पटना 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से घंटों पूछताछ की है। सीबीआई व ईडी के छापे के मामले कांग्रेस ने बीजेपी पर आरोप लगाया है पिछले 8 साल में बहुत बार इसका दुरुपयोग हुआ और इसके सहारे विपक्ष को परेशान किया जा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रोजगार संभावनाओं से हिंसक प्रवृत्तियों का समाधान

सुरेश सेठ

भारतीयता की बात कहते हुए इस देश के नागरिकों के भाल गर्व से ऊंचे हो जाते हैं क्योंकि भारतीयता उस आधार पर खड़ी है जिसे हम नैतिक संस्कृति की अदम्य ज्वाला कहते हैं। जो हमारी पाठशालाओं से लेकर अध्यात्म केन्द्रों और देश के बहुत से नागरिकों के अंतस तक में पैठ जमाकर बैठी है। यह वह अनोखी नैतिक संस्कृति है जिसने पंजाब में ऋग्वेद को जन्म दिया। कुरुक्षेत्र से भगवान कृष्ण का गीता का वह उपदेश हुआ जो आज भी भ्रम में पड़े लोगों को रास्ता दिखाने में चूकता नहीं। पिछला वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर अमृत महोत्सव मनाने का था इसलिए देश के कोने-कोने से राष्ट्रीय ध्वज को फहराते हुए 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' का स्वर उठता रहा। वंदे मातरम् की ध्वनि पंजाब में फिर से गूंजी। वहां शहीद-ए-आजम भगत सिंह का स्मरण भी आम लोगों के मन में नई ऊर्जा पैदा करने लगा।

अब खबर है कि उत्तर प्रदेश में शहीद चंद्रशेखर आजाद की 151 फुट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी, जो दुनिया में किसी भी क्रांतिकारी की सबसे ऊंची प्रतिमा होगी। राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत लोग महत्मा गांधी द्वारा बताए गए अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे। भारत सरकार की उस खोज में उनके साथ जुटेंगे जहां अंग्रेजीयत से छुटकारा पाकर इतिहास का पुनर्लेखन हो रहा है। वह इस देश के दबे-कुचले परन्तु वीर लोगों का स्वाधीनता संग्राम को लेकर स्मरण है। जिस संग्राम ने इस देश पर 150 वर्ष शासन करने वाले विशाल अंग्रेजी साम्राज्य से मुक्ति दिलाई। लेकिन अब देश के आजाद हो जाने के बाद इतिहास के रणबांकुरों की खोज-सम्मान, राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा की स्थापना, अध्यात्म और योग को पुन: महत्व देने के बावजूद जो चित्र उभरकर आ रहा है उसमें नयी पीढ़ी राह से भटकी लगती है। नैतिक संस्कृति के पहरुए अर्थ नीति के विघटन के साथ-साथ मौन क्यों हो गये लगते हैं? भौतिकवादी मूल्यों ने कुछ इस प्रकार देश के आम लोगों को घेर लिया कि नैतिकता की बातें करना काल्पनिक सा लगता है। इसकी जगह स्वार्थ साधने की प्रवृत्ति मुखर हो गई है। शार्टकट के रास्ते का बोलबाला है। ऐसा कि अपना काम साधने के लिए अगर हिंसा का सहारा भी लेना पड़े तो कोई हर्ज नहीं।

देश में ऐसी बातें उभरकर आ रही हैं कि जो शायद आज से पचास वर्ष पहले सोची भी नहीं जा सकती थीं। देश और विशेष रूप से पंजाब की जेलों को ही लें। इन जेलों का नाम सुधार गृह रखा गया था। समझा गया कि जेल काटने वाले अपराधी नैतिक मूल्यों का पुन: सृजन अपने अंतस में करेंगे और जेल काटने के बाद जिम्मेदार नागरिक बनकर बाहर आएंगे। लेकिन जब बाहर भी

भौतिकवादी मूल्यों का बोलबाला हो, जब माफिया तंत्र ही एकमात्र सत्य लगे ,जब जेल की दीवारों में कैद गैंगस्टरों के 'लिंक' विदेशों तक जुड़ जाएं और ये लोग मिल-जुलकर एक ऐसी बंदूक संस्कृति को जन्म दे दें जिसमें से फिरौतियों और धमकियों, गोलीबारी और लूटमार का माहौल बाहर आता नजर आए। सरकार किंकर्त्तव्यविमूढ़ नजर आए और नये भौतिकवादी मूल्यों के प्रसार से आम जनता त्रस्त और आक्रांत हो तो ऐसे समाज के चेहरे को फिर से स्वच्छ घोषित करना बड़ी चुनौती है। जो कुछ तरनतारन की जेल में हुआ, वह उन सभी घोषणाओं के विपरीत था जिसमें यह कहा गया था कि अब जेलों में कैद अपराधी तत्वों को उनकी जगह बता दी जाएगी। उन्हें जेल के अधिकारियों के साथ मिलकर नशे का अवैध व्यापार नहीं करने दिया जाएगा, उनके पास चोरी से पहुंचे मोबाइलों को जैमर लगा दिये जाएंगे। बाहर के अपराधी गठजोड़ करके सार्वजनिक जीवन व जेलों के इस माहौल को भी हिंसा की रणस्थली नहीं बनाएंगे। लेकिन बीते रविवार को केन्द्रीय जेल गोइंदवाल साहिब में गैंगवॉर हो गई। एक गुट ने दूसरे गुट के दो सदस्यों की हत्या कर दी। तीन अन्य घायल हो गए। मरने वाले दोनों एक कुख्यात गैंग के सदस्य थे। इस माहौल के हालात देखिये कि कनाडा में बसे एक गैंगस्टर ने सोशल मीडिया पर इस भिड़ंत की जिम्मेदारी ले ली। यह सारा घटनाक्रम लोगों को भयभीत कर देता है। इन सब गैंगस्टरों की जड़ें सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शामिल गैंगस्टरों तक जाती हैं जो इस समय आपस में दो गुटों में बंट चुके हैं। इस मामले में हालांकि जेल सुपरिंटेंडेंट ने कह दिया है कि वह छुट्टी पर था, सूचना मिलते ही जेल पहुंचा, अब मामले की जांच हो रही है। लेकिन जांच-पड़ताल करने और कानून के रखवालों द्वारा आक्रामक रवैया अपनाने की बातें पंजाब की जेलों से लेकर पंजाब के आम लोगों और वहां से चलकर दिल्ली तक फैली हैं।

यह निर्मम माहौल है जहां ऐसे हत्याकांड हो रहे हैं जिनकी आदमी कल्पना भी नहीं कर सकता। व्यक्तियों को मारकर अंगों को जंगलों में फेंका जा रहा है । दरअसल, बेकार युवाओं को काम से नहीं बल्कि अनुकम्पा घोषणाओं से बहलाने का प्रयास होता है। इसी कारण वे बेरोजगार होकर नशे और बंदूक माफिया के चंगुल में फंस रहे हैं। अधोपतन इतना कि आज कहीं भी स्थापित नैतिक मूल्य का कोई दम नहीं भरता। दरअसल, नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना स्वाभिमान पूर्ण रोजगार की गारंटी से ही हो सकती है।

नकारात्मकता के दहन से ऊर्जावान होने का वक्त

होलिका दहन क्यों किया जाता है? कहा जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक बलशाली असुर स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वरभक्त था। प्रह्लाद की भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए परंतु उसने ईश्वरभक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जल सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठ जाए। होलिका ने ऐसा किया लेकिन होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त होने पर भी वह जल गई और प्रह्लाद बिना वरदान के भी बच गया।

सीताराम गुप्ता

यद्यपि सड़क चौड़ी थी फिर भी जाम जैसी स्थिति बनी हुई थी। थोड़ा आगे जाने पर पता चला कि सड़क के ऊपर ही लकड़ियों का एक ढेर पड़ा था। लकड़ियों के साथ-साथ दूसरा कूड़ा-कर्कट भी ढेर की शोभा को बढ़ा रहा था। होली नजदीक थी और ये सब होलिका दहन की तैयारियों का ही एक हिस्सा था। होली से पहले हर नगर, हर गली में कमोबेश ऐसे ही दृश्य दिखलाई पड़ते हैं। होली का त्योहार प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगोत्सव की पूर्व संध्या पर होलिका दहन किया जाता है। हर गांव, हर कस्बे और हर शहर में एक निश्चित स्थान पर वसंत पंचमी के दिन होली की स्थापना की जाती है और चालीस दिनों तक लोग यहां पर लकड़ियां डालते रहते हैं। होलिका दहन के दिन उचित मुहूर्त में उसे विधि-विधान के साथ अग्नि से प्रज्वलित कर दिया जाता है।

होलिका दहन क्यों किया जाता है? कहा जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक बलशाली असुर स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वरभक्त था। प्रह्लाद की भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए परंतु उसने ईश्वरभक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जल सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठ जाए। होलिका ने ऐसा किया लेकिन होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त होने पर भी वह जल गई और प्रह्लाद बिना वरदान के भी बच गया। तभी से होली बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है। होली का संदेश यही है कि वैर-भाव, ईर्ष्या और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका तो जल जाए किंतु प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद अक्षुण्ण रहे। अच्छाई के सामने बुराई टिक नहीं सकती, उसका समाप्त हो जाना निश्चित है पर आज के माहौल में प्रश्न उठता है कि क्या मात्र इस दहन से हम नकारात्मकता से मुक्त हो जाते हैं? बुराई के भी अनेक स्तर और स्वरूप होते हैं। क्या इस दहन के साथ हम वर्तमान बुराइयों से मुक्त होने का प्रयास करते हैं? फिर शहरों-कस्बों में जिस रूप में यह त्योहार मनाया जाता है क्या वह आज के युग में सही और प्रासंगिक है? परंपरागत रूप में लकड़ियों को जलाना क्या ठीक कहा जा सकता है? वास्तव में इस फेर में हम अपने पर्यावरण को नष्ट और संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

हम होलिका दहन के नाम पर टनों लकड़ी एक बार में अग्नि में भस्म कर देना, वो भी आज के ग्लोबल वॉर्मिंग के दौर में, क्या उचित है? एक ही दिन में हजारों टन ग्रीन हाउस गैसों का जहर हमारे पर्यावरण में घुल जाता है। लकड़ी, कूड़ा जलाने से एक ओर तो वायु में ऑक्सीजन जैसी लाभदायक गैसों की कमी हो जाती है तथा दूसरी ओर घातक ग्रीन हाउस गैसों की वृद्धि होती है। एक तो विकास की गतिविधियों के कारण हम अपने पर्यावरण की लगातार उपेक्षा कर इसे प्रदूषित कर ही रहे हैं और ऊपर से उत्सवों के जरिये स्थिति और चिंताजनक बना रहे हैं। बाजारवाद स्थिति को और भयावह बना रहा है। ऐसे में होली तथा अन्य पर्वों पर इस परिदृश्य को बदलने की एक कोशिश करके देखें। एक बार गांधी जी ने भी होली जलाई थी जो होली थी विदेशी वस्त्रों की। देश के दस्तकारों और कारीगरों के हाथों से काम छिन रहा था इसलिए गांधी जी द्वारा विदेशी कपड़ो का बहिष्कार कर उसकी होली जलाना उचित ही नहीं अनिवार्य और सार्थक भी था। यदि होली ही जलानी है तो कोई ऐसी होली जलाइए जो हमारे विकास में सहायक हो।

कोई ऐसी होली जलाइए जिससे पर्यावरण प्रदूषित होने की बजाय सुधरे। हम साफ-स्वच्छ हवा में सांस ले सकें। जलानी ही है तो ऐसी होली जलाइए जिससे हमारा भौतिक ही नहीं सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश भी ऐसा हो जाए कि हम निर्द्वंद्व-निर्भय होकर जी सकें। शोषण, उत्पीड़न से सुरक्षित रह सकें। यह तभी संभव है जब हम मन में व्याप्त नकारात्मक भावों की होली जला दें। हमें तटस्थ दृष्टा तमाशबीन बने रहने की बजाय अपने अंदर जो गलत है उसका विरोध करने की शक्ति उत्पन्न करनी चाहिए। अपने अज्ञान-अहंकार, राग-द्वेष, असहिष्णुता, वैमनस्य, परपीड़न आदि घातक मनोभाव बदलने का प्रयास करें। आइए, प्रतीकात्मक होलिका की अग्नि में मन में व्याप्त समस्त नकारात्मक भावों का कचरा जला डालें। जिस प्रकार पेड़ अपनी पुरानी पीली पत्तियों को फेंक नई पत्तियां धारण कर पुनर्जन्म पाता है हम भी नकारात्मक भावों से मुक्त होकर सकारात्मक भावों का विकास कर नए जीवन में प्रवेश करें। परिवर्तन के अभाव में विकास अथवा पुनर्जन्म संभव नहीं।

होली में अपनों को खिलाएं एप्पल गुझिया

होली एक ऐसा त्योहार है जिसमें लोग अपनी दुश्मनी भुला कर एक ही रंग में रंग जाते हैं। इस साल 8 मार्च को होली का ये त्योहार मनाया जाएगा। इस जश्न को मनाने के बाद लोग होली की बधाई देने के लिए एक-दूसरे के घर जाते हैं। इसी के चलते लोग अपने-अपने घरों में कई तरह के खाने के सामान बनाते हैं। होली के त्योहार में गुजिया एक ऐसी चीज है जो तकरीबन हर एक घर में मिल जाएगी। गुजिया बनाना वैसे तो ज्यादा कोई मुश्किल काम नहीं है, पर हर साल एक जैसी गुजिया खाकर लोग बोर होने लगे हैं। ऐसे में आज की खबर में हम आपको एक खास तरह की गुजिया बनाना बताएंगे। जिसे खाकर लोग आपकी तारीफ करने लगेंगे। दरअसल, आज हम आपको एप्पल गुजिया बनाना सिखाएंगे। जिसे बनाना काफी आसान है।

सामग्री

3 कप मैदा, 300 ग्राम खोया, 1/4 कप सूजी, 1/2 कप घी, 1.5 कप कसे हुए सेब, 2 चम्मच काजू, 20 किशिमिश, 300 ग्राम पाउडर शुगर, 2 चम्मच पिस्ता, 2 चम्मच बादाम, आधा चम्मच हरी इलायची

बनाने की विधि

एप्पल गुजिया बनाने के लिए सबसे पहले मैदा में घी अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अब धीरे-धीरे पानी डालते हुए मैदा को गूंथ लें। मैदा को अच्छे से गूंथ कर इसे अलग ढक कर रख दें। अब एक कढ़ाई में खोया और सूजी को सुनहरा होन तक भूनें। इसे ठंडा होने के बाद इसमें हर तरीके के ड्राईफ्रूट डालें। इसके बाद अब एक पैन लें और इसमें कसे हुए सेब डालकर इसे सुखा लें। अब इसमें चीनी और खोया डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद आपकी स्टफिंग तैयार हैं। अब तैयार मैदा की छोटी-छोटी लोई बनाकर इसमें स्टफिंग डालें। इसे सांचे की मदद से फोल्ड करें। अब लास्ट में इसे केसर के धागों के सजाएं और अपने मेहमानों को खिलाएं।

घर पर बनाएं मसाला पराठा

अक्सर ऐसा होता है कि हम हर रोज वही रोटी सब्जी खाते-खाते बोर हो जाते हैं। तो मसाला पराठा बनाएं। जिसे आप घर पर ही बड़ी आसानी से बना सकते हैं। भारतीय घरों में पराठा एक ऐसी डिश है जिसे लोग नाश्ते में बड़े चाव के खाते हैं। कभी आलू के पराठे तो कभी गोभी के, इतना ही नहीं पराठे तो पनीर के भी काफी लजीज लगते हैं। पर अगर इनसे भी मन भर जाए तो आप मसाला पराठा बना सकते हैं। ये खाने में जितना टेस्टी और अलग होगा उतना ही इसे बनाना आसान होता है। तो आप अगर रोज एक जैसा नाश्ता करते-करते बोर हो गए हैं और पराठे की वैराइटीज में भी कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं तो मसाला पराठा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

सामग्री

आटा- 1 कप, बेसन-1 कप, जीरा- 1/2 टी स्पून, अजवाइन- 1 टी स्पून, अदरक पेस्ट- 1 टी स्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1 टी स्पून, हींग-1 चुटकी, कसूरी मेथी-1 टेबलस्पून, हरा धनिया कटा- 2 टेबलस्पून, तेल- जरूरत के मुताबिक, नमक- स्वादानुसार

बनाने की विधि

मसाला पराठा बनाने के लिए एक बाउल में आटा और बेसन छान कर मिक्स करें। इसके बाद इसमें लाल मिर्च के साथ जीरा, अजवाइन, हींग, कसूरी मेथी, बारीक कटा हरा धनिया और स्वादानुसार नमक आटे के मिक्सर में मिला दें। पराठे को खस्ता बनाने के लिए इसमें एक चम्मच तेल डालें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए इसे अच्छे से गूंथ लें। अब इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। आधे घंटे के बाद इसे एक बार फिर से अच्छे से गूंथ लें। अब इसकी लोइयां तैयार करके तवे को गर्म करने रख दें। इस के बाद लोइ का गोल या तिकोना पराठा बेल लें। अब तवे पर थोड़ा सा तेल डालकर चारों ओर फैला दें। पराठे को सुनहरा होने तक सेकें। अब इसी तरह बाकी पराठे भी सेंक लें। इसे चाय के साथ हरी चटनी और केचअप के साथ सर्व करें।

हंसना मना है

बेटा - मां, लव मैरिज करने से घरवाले नाराज होते हैं क्या...? मां- बेटा तू जरूर किसी चुड़ैल के चक्कर में होगा और ये सब तुझे उसी डायन ने कहा होगा... लड़कियां तो बस लड़कों को फंसाने में लगी रहती हैं...! जहां अच्छा लड़का दिखा, शुरू हो गई...बेटा इनसे बच के रहना, ये बहुत मक्कार और कमीनी होती हैं और इनका तो खानदान भी...! बेटा - बस मां, ऐसा कुछ नहीं है। वो तो पापा बता रहे थे कि आप दोनों की लव मैरिज हुई थी...!!!

लड़की (अकड़ दिखाते हुए) - लोग मरते हैं मुझ पर! पप्पू - क्यों, तुम सरकारी अस्पताल का बिस्तर हो क्या...!!!

पति और पत्नी एक कुएं के पास गए, जहां सिक्का डालने से मन की मुराद पूरी हो जाती थी...! पहले पति ने सिक्का डाला, फिर पत्नी जैसे ही सिक्का डालने गई तो पैर फिसल गया और वो कुएं में गिर गई! पति की आंखों में आंसू आ गए, ऊपर देखते हुए बोला- हे भगवान, इतनी जल्दी सुन ली...!!!

कहानी — मूर्ख बगुला और नेवला

कई सालों पहले की बात है, एक जंगल में एक बरगद का पेड़ था। उस बरगद के पेड़ पर एक बगुला रहा करता था। उसी पेड़ के नीचे एक बिल में एक सांप भी रहता था। वह सांप बड़ा ही दुष्ट था। अपनी भूख मिटाने के लिए वह बगुले के छोटे-छोटे बच्चों को खा जाया करता था। इस बात से बेचारा बगुला बहुत परेशान था। एक दिन की बात है, सांप की हरकतों से परेशान होकर बगुला नदी के किनारे जाकर बैठ गया। बैठे-बैठे अचानक उसकी आंखों में आंसू आ गए। बगुले को रोता देख नदी में से एक केकड़ा बाहर आया और बोला, अरे बगुला भैया, क्या बात है? यहां बैठे-बैठे आंसू क्यों बहा रहे हो? क्या परेशानी है? केकड़े की बात सुनकर बगुला बोला, क्या बताऊं केकड़े भाई, मैं तो उस सांप से परेशान हो गया हूं। वह बार-बार मेरे बच्चों को खा जाता है। घोंसला चाहे जितना भी ऊपर बनाऊं, वह ऊपर चढ़ ही जाता है। अब तो उसके कारण दाना पानी लेने के लिए घर से कहीं जाना भी मुश्किल हो गया है। तुम ही कोई उपाय बताओ। बगुले की बात सुनकर केकड़े ने सोचा कि बगुला भी तो अपना पेट भरने के लिए उसके परिवार वालों और दोस्तों को खा जाता है। क्यों न ऐसा कोई उपाय किया जाए कि सांप के साथ साथ बगुले का भी खेल खत्म हो जाए। तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने बगुले से कहा, एक काम करो बगुला भैया। तुम्हारे पेड़ से कुछ ही दूर नेवले का बिल है। तुम सांप के बिल से लेकर नेवले के बिल तक मांस के टुकड़े बिछा दो। नेवला जब मांस खाते हुए सांप के बिल तक आएगा तो वह सांप को भी मार देगा। बगुले को यह उपाय सही लगा और उसने ठीक वैसा ही किया जैसा केकड़े ने कहा, लेकिन इसका परिणाम उसे भी भुगतना पड़ा। मांस के टुकड़े खाते-खाते जब नेवला पेड़ के पास आया तो उसने सांप के साथ बगुले को भी अपना शिकार बना लिया।

कहानी से सीख: दोस्तों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि किसी की भी बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करना चाहिए। साथ ही उसके परिणाम और दुष्परिणाम के बारे में भी सोच लेना चाहिए।

7 अंतर खोजें

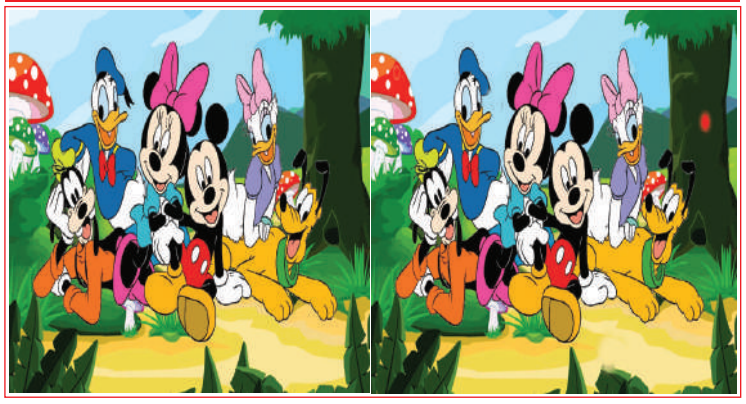

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

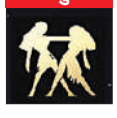

आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि होगी।

धनु

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर

आज धन का निवेश न करें। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा।

कुम्भ

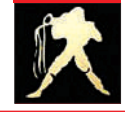

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

धाकड़ क्वीन को पड़ा जावेद अख्तर से पंगा लेना महंगा

अपने बेबाकपन के लिए जानी जाने वाली कंगना रनौत फिर से एक बार विवादों में घिर गई हैं। इस बार जावेद अख्तर ने उन पर शिकंजा कसा है। अपने बयान अक्सर उन पर भारी ही पड़ते हैं। लॉक अप की इस क्वीन को हो सकता है कि जल्द ही लॉक अप के दर्शन करने पड़ें। जावेद अख्तर के साथ भिड़ना कंगना को काफी महंगा पड़ने वाला है। जावेद अख्तर ने हाल ही में उनके ऊपर मानहानि का केस किया था। लंबे समय से मामला कोर्ट में है। कोर्ट में सुनवाई के लिए याचिका दाखिल की थी जो जल्द ही कोर्ट में मंजूर भी हो गई। 23 मार्च को मामले की सुनवाई कोर्ट में होगी। आखिरी सुनवाई 23 नवंबर 2022 को हुई थी। 19 अप्रैल की तारीख अगली सुनवाई के लिए दी गई थी। लेकिन जावेद अख्तर के वकील ने रिक्वेस्ट की कि शिकायतकर्ता काफी बुजुर्ग हैं इसलिए तारीख पहले की दी जाएगा। मामले को देखते हुए 23 मार्च को सुनवाई की तारीख दी गई। मामला 2020 का है जब जावेद अख्तर ने कंगना पर उनकी इमेज टीवी पर खराब करने का आरोप लगाया। कंगना ने कहा था कि जावेद अख्तर ने मार्च 2016 में एक बैठक बुलाई थी जहां उन्हें डराने की कोशिश की। वहीं जावेद ने इससे इनकार किया था।

होली की फुहार ... हास्य, व्यंग्य और प्यार का पैग़ाम

पत्नीव्रता पति की होली
अगर रूठी है पत्नी तो करो मनुहार
होली में, दिलाकर चार छः साड़ी करो
सत्कार होली में। ग़ज़ब की फागुनी
रातें,करो कुछ प्यार की बातें, निरर्थक
गा रहे हो क्यों मियाँ मल्हार, होली में...

जुआरी की होली
पुलिस से ख़ामुखां हमने करी तकरार होली
में, थमा देते उन्हें सौ-सौ के पत्ते चार होली
में। जुआ खेला ,गये पकड़े थे, हम पिछली
दिवाली में,सुना है वैध है इस बार भ्रष्टाचार
होली में...

मध्यमवर्गीय वेतन भोगियों की होली
न डी. ए. ही मिला, ना कोई भी
उपहार होली में, रहे बैठे
सुबह से शाम तक
बेकार

और अंत में ..... होली शुभकामना छंद
कुंकुम, रंग, अबीर, गुलाल से, लाल, निहाल ये टोली रहे। महके गजरा, चहके जियरा, सिगरे ही उमंग, ठिठोली रहे.. यह प्रीत की रीत पुनीत रहे, संगीत, सुगीत की बोली रहे। अंखियाँ, दुखिया न रहें कबहूं,सद्भाव भरी, यह होली रहे। *होली की सभी मित्रें को अनन्त शुभकामनाएँ रचनाकार: राजेश अरोरा शलभ,-मो: 9839753231*

होली में। नहीं हैं रंग ,ठंडाई, न गुझिया
की झलक पाई, पड़ी कम्बख्त महंगाई
की ऐसी मार होली में...

नशेड़ियों की होली
रचाया स्वांग तुमने भी, रचाया स्वांग
हमने भी, भखी थी भांग तुमने भी,
भखी थी भांग हमने भी।
इसी टुन्ना

अवस्था में, गये थे कूद छत से हम, थी
तोड़ी टांग तुमने भी, थी तोड़ी टांग
हमने भी...

कवियों की होली
तुम्हारा दिल भी बच्चा है, हमारा दिल
भी बच्चा है, मेरी कविता के प्रेमी तुम ,
तुम्हारा प्यार सच्चा

है। मगर होली हमारे वास्ते समझो
सहालग? है,जो मिल जाए लिफ़ाफ़ा
भी , तो लक अपना भी अच्छा है...

नेताओं की होली
चुनाव आने से पहले आए थे इक बार
होली में, जुटे संत्री, बने मंत्री, मेरे
सरकार होली में। वो भाषण तो जमाऊ
था, मगर सब कुछ दिखाऊ था,दिखाकर
चल दिए, सपनों का वो संसार होली में..

(बुजुर्गों (70+) की होली
भरा होली के रंगों में, अधूरा हो नहीं
सकता, जो रस हो घोलता सब में, ,वो
रूठा हो नहीं सकता। हो जिसका दिल
जवां, लबरेज यारों की मोहब्बत
से, वो सत्तर का या अस्सी
का हो, बूढ़ा हो नहीं
सकता...

बॉलीवुड **मन की बात**

स्ट्रगल डेज के दिनों में शोषण का हो चुकी हूं शिकार : रवीना

रवीना टंडन अपने बेबाक बयानों और बिंदास नेचर के लिए जानी जाती हैं। रवीना कई मुद्दों पर निडर होकर अपनी राय भी रखती हैं। रवीना फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और यहां आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियोज साझा करती हैं। हाल ही में रवीना ने अपने बारे में कुछ हैरान कर देने वाले खुलासे किए थे। इन खुलासों के बारे में जानकर उनके फैन्स भी हैरान रह गए थे। रवीना ने बताया था कि स्ट्रगल डेज में वे शारीरिक शोषण का शिकार हो चुकी हैं। दरअसल, ट्विटर पर एक शख्स ने कुछ समय पहले मुंबई की लोकल ट्रेन का एक वीडियो शेयर किया था, जो खचाखच यात्रियों से भरा था। वीडियो में दिख रहा है कि ट्रेन स्पीड से चल रही है और कुछ लड़के इसकी गेट पर लटके हुए हैं। तभी एक लड़का अचानक से चलती ट्रेन से गिर जता है। इस वीडियो को शेयर करते हुए शख्स ने रवीना टंडन से सवाल किया था। उसने लिखा था, नमस्तेश्च टंडन रवीना, मेट्रो का विरोध करने के लिए आपने आखिरी बार इस तरह का सफर कब किया था? तुम लोग बेशर्म हो। शख्स के इस ट्वीट का जवाब रवीना टंडन ने दिया। रवीना टंडन ने यूजर को जवाब देते हुए लिखा, 1991 तक मैंने ऐसे ही सफर किया है। एक लड़की होने की वजह से आप की तरह बिना नाम वाले ट्रोलर्स ने मेरा शारीरिक शोषण भी किया है। काम शुरू करने से पहले मैंने सक्सेस देखी और पहली कार भी खरीदी। नागपुर के हो। आपकी सिटी हरी-भरी है। किसी की सक्सेस या इनकम से जलो मत। इसके आगे एक और ट्वीट में एक्ट्रेस लिखती हैं, किशोर उम्र में, स्थानीय लोगों/बसों में यात्रा की। छेड़छाड़ हुई, चुटकी ली, वह सब कुछ हुआ जिससे ज्यादातर महिलाएं गुजरती हैं।

ये हैं दुनिया के सबसे अजीबोगरीब स्कूल, जहां अनोखे तरीके से होती है पढ़ाई-लिखाई

आज हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे स्कूलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बच्चों को पढ़ाने के लिए सबसे अलग तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। जहां बच्चे खुशी-खुशी पढ़ने जाते हैं। इन्हीं में से एक स्कूल है सडबरी स्कूल। दरअसल, अमेरिका में स्थित इस स्कूल में बच्चे खुद से अपना टाइम टेबल बनाते हैं। यही नहीं बच्चे ही खुद ही तय करते हैं कि उन्हें किस दिन क्या पढ़ना है। इसके अलावा बच्चों के द्वारा ये भी तय किया जाता है कि उन्हें पढ़ाई करने के कौन से तरीके अपनाने हैं और वो खुद को किस तरह से आंकना चाहते हैं।

द स्कूल ऑफ सिलिकॉन वैली: बता दें कि द स्कूल ऑफ सिलिकॉन वैली भी अमेरिका में है। यह स्कूल पढ़ाई के परंपरागत तरीकों के बिल्कुल खिलाफ है। इस विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के लिए उच्च स्तर की तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। यहां पर बच्चों को आई पैड, थ्री-डी मॉडलिंग और संगीत की मदद से पढ़ाया जाता है।

मकोको फ्लोटिंग स्कूल: बता दें कि ये स्कूल नाइजीरिया में है। जहां एक ऐसा स्कूल है, जो पानी पर तैरता रहता है। इसमें एक बार में 100 बच्चे पढ़ते हैं। यह स्कूल पानी के घटते-बढ़ते जल स्तर पर भी आराम से टिका रहता है और खराब मौसम भी इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाता है।

झोंगडोंग: द केव स्कूल: ये स्कूल चीन में है। इस स्कूल करीब 186 छात्रों को शिक्षा देता था और इसमें 8 शिक्षक पढ़ाते थे। दरअसल, यह स्कूल एक प्राकृतिक गुफा के अंदर था, जिसे साल 1984 में खोजा गया था। यहां पर ऐसे बच्चों को शिक्षा दी जाती थी, जो स्कूल नहीं जा सकते हैं, लेकिन साल 2011 में चीन की सरकार ने इस स्कूल को बंद करवा दिया। इसलिए अब इस स्कूल में कोई बच्चा नहीं पढ़ता।

द कार्पे डियम स्कूल: अमेरिका के ओहिओ में स्थित इस स्कूल में क्लासरूम की जगह करीब 300 क्यूबिकल हैं, जो बिल्कुल किसी ऑफिस की तरह दिखती हैं। इस स्कूल का यह मानना है कि हर किसी को अपने स्तर पर चीजें सीखनी चाहिए। अगर बच्चों को किसी तरह की कोई परेशानी होती है, तो इंस्ट्रक्टर आकर तुरंत उनकी मदद कर देते हैं। वरना बच्चे खुद से ही यहां आकर पढ़ाई करते हैं जैसे स्टूडेंट्स लाइब्रेरी में पढ़ रहे हों।

अजब-गजब **इसे माना जाता है दुनिया की सबसे अनोखी झील**

इस झील के ऊपर हवा में बिना किसी सहारे लटके हुए हैं तमाम पत्थर

पूरी दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। जिन्हें आज तक इंसान सुलझा नहीं पाया। आज हम आपको एक ऐसे रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी झील के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके ऊपर हवा में बिना किसी सहारे तमाम पत्थर लटके हुए हैं। बता दें कि दुनिया की इस सबसे बड़ी झील के ऊपर सर्दियों के मौसम में कई पत्थर हवा में ऐसे लटक जाते हैं, जैसे कोई पानी की बूंद हो।

बता दें कि इन पत्थरों को दूर से देखकर ऐसा लगता है जैसे कि ये हवा में लटक रहे हों, लेकिन अब इसका रहस्य खुल गया है। दरअसल, यह प्रकृति का एक अनोखा राज था जिसको इससे पहले तक बर्फ की बेहद पतली और नाजुक नोक पर टिके होते हैं। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने इस रहस्य को सुलझा लिया है। बता दें कि आम तौर पर पत्थर पानी में डुब जाते हैं, लेकिन रूस के साइबेरिया में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी झील लेक बैकाल में सर्दियों के मौसम में एक अलग ही नजारा देखने को मिलता है। यहां पानी पर पत्थर टिके हुए नजर आते हैं।

दरअसल, बैकाल झील में जब सर्दियों के मौसम में बर्फ जमती है तो वो अलग-अलग आकृतियों में तब्दील हो जाती है। इसमें से एक प्रक्रिया है सब्लिमेशन, मतलब कि बर्फ का ऊपर की तरफ आ जाना। सर्दियों के समय जैसे ही तापमान नीचे गिरता है, पानी बर्फ में बदल जाता है और अगर झील के नीचे से ऊपर की तरफ किसी तरह का सब्लिमेशन होता है तो उसके ऊपर मौजूद वस्तु बाहर आ जाती है और वो हवा में लटकती हुई दिखाई देती है।

इस झील के ऊपर हवा में लटके हुए पत्थरों पर नासा के एम्स रिसर्ट सेंटर के साइंटिस्ट जेफ मूर का कहना है कि ये परिभाषा गलत है कि बर्फ के जमने से ये पत्थर ऊपर टिक गए, क्योंकि झील के अंदर तक बर्फ नहीं जमती बल्कि ऊपर जमती है। नीचे पानी का बहाव होता है और बहता हुआ पानी किसी भी भारी वस्तु को ज्यादा नहीं हिला सकता जब तक बहाव में तेजी न हो।

पूरी तैयारी से लोकसभा चुनाव लड़ेगी सपा

» राष्ट्रीय सम्मेलन कोलकाता में 17 से 19 मार्च तक

» भाजपा कार्यकाल में संवैधानिक संस्थानओं की कार्यप्रणाली पर होगी चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा इसी महीने कोलकाता में आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करेगी। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में सपा मुखिया

अखिलेश यादव समेत सभी बड़े नेता भाग लेंगे। यह बैठक 17 से 19 मार्च के बीच होगी। गौरतलब हो कि लखनऊ में 29 सितंबर 2022 को हुए पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में अखिलेश यादव को तीसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने इस वर्ष 29 जनवरी को 67 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की। अब इसकी पहली बैठक कोलकाता में होने जा रही है। 17 से 19 मार्च के बीच होने वाली इस बैठक में लोकसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन किया जाएगा। चुनावी रणनीति के तहत फोकस ग्रुप तैयार किए जाएंगे। फिर पार्टी उस ग्रुप के लिए विशेष अभियान चलाएगी। सपा लोहिया, चरण सिंह व मुलायम सिंह के साथ आंबेडकर के सिद्धांतों को भी अपनाने की तैयारी में पार्टी का एक सत्र संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली और उनके बदलते स्वरूप पर भी रखा गया है। इसमें भाजपा सरकार के कार्यकाल में संवैधानिक संस्थानओं की कार्यप्रणाली पर चर्चा की जाएगी। इसी तरह कई आर्थिक एवं सामाजिक प्रस्ताव भी रखने की तैयारी है। तीन दिन में करीब आठ सत्र के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी।

लखनऊ नगर निगम कर्मचारी संघ ने बच्चों को बांटा होली गिफ्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ द्वारा ''उम्मीद संस्था'' के सहयोग से भिक्षावृति छोड़कर पढ़ाई कर रहे 4 वर्ष से 14 वर्ष तक के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों के साथ नगर निगम मुख्यालय लालबाग के त्रिलोक नाथ हॉल में होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन कर 150 बच्चों को 'होली'' की पूर्व संध्या पर सभी को उपहार स्वरूप पेंसिल बॉक्स, जनरल नॉलेज बुक, ड्रॉइंग बुक, पेन, पेंसिल, स्केच कलर, रबर, पिचकारी व अबीर गुलाल देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई व सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएँ व बधाईयाँ दी गई। कार्यक्रम में नगर आयुक्त लखनऊ के प्रतिनिधि के रूप में अपर नगर आयुक्त (प्रशासन) अभय कुमार पाण्डेय, अपर नगर आयुक्त अवनीन्द्र कुमार, मुख्य अभियन्ता महेश चन्द्र वर्मा, प्रभारी अधिकारी/मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, जोनल अधिकारी जोन-1 मौजूद रहे।

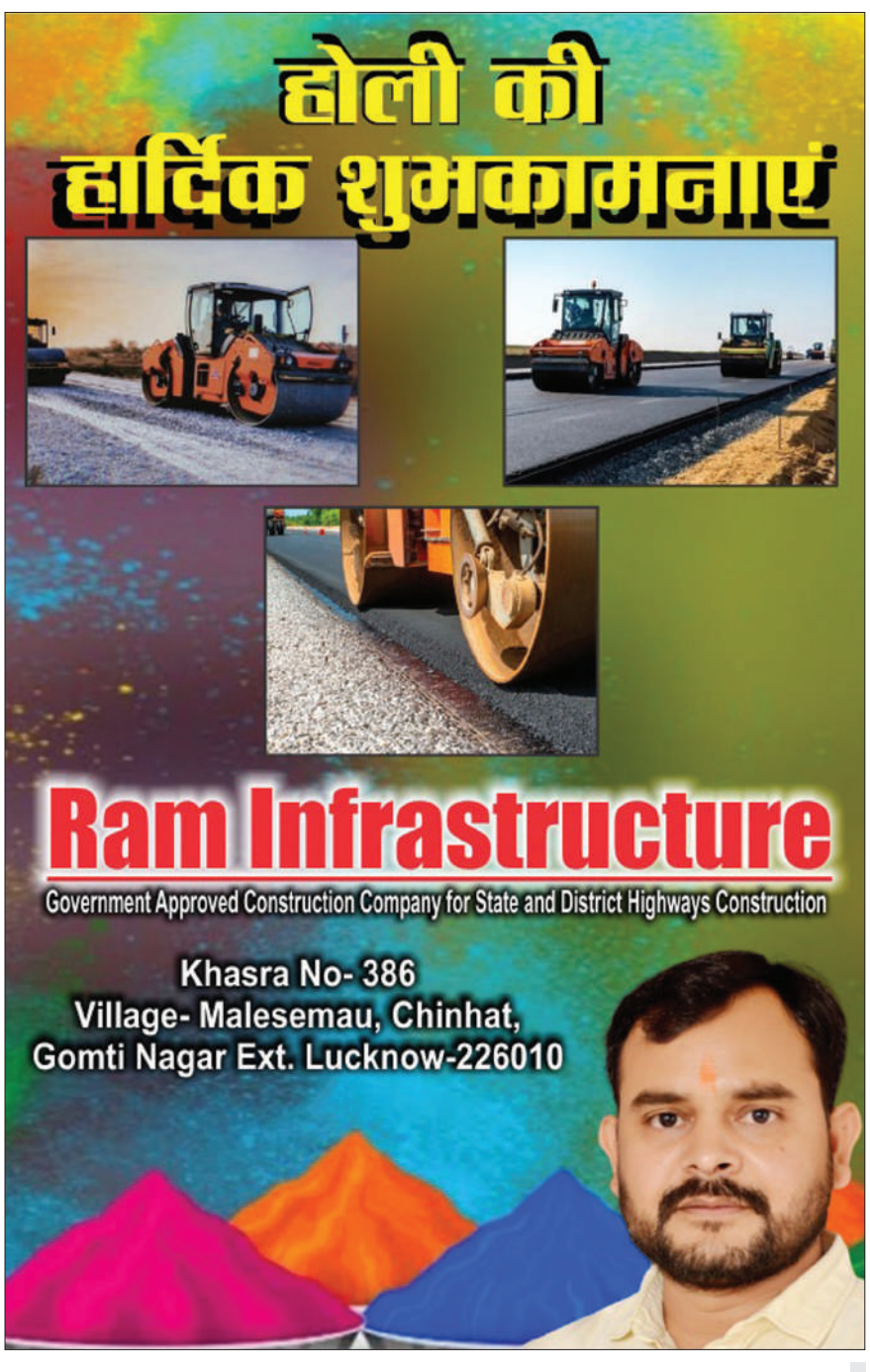

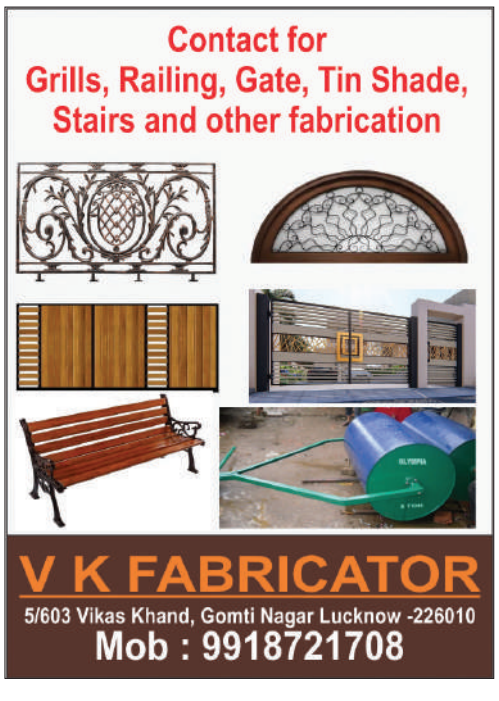

होली के रंगों में रंगी राजधानी, चारों ओर उड़े अबीर-गुलाल...

लखनऊ। दो दिन होली खेलने के असमंजस के बीच राजधानी लखनऊ में होली धूमधाम से मनाई गई। हालांकि कुछ जगहों पर सोमवार को ही होलिका दहन किया गया। शहर के आम से खास ने जमकर होली खेली। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, सीएम योगी व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने होली की लोगों को शुभकामनाएं दी।

हमेशा सत्ता में नहीं रहेगी भाजपा, कांग्रेस जरूर लौटेगी : राहुल गांधी

राजनीतिक संवाद की बदलती प्रकृति पर ध्यान देना पड़ेगा

» बोले- पहले हम 10 साल तक सत्ता में थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ब्रिटेन की धरती से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एकबार फिर बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमला किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी को यह मानना अच्छा लगता है कि भारत में हमेशा वही सत्ता में रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कहना हास्यास्पद है कि कांग्रेस का समय खत्म हो गया है।

ब्रिटेन यात्रा पर पहुंचे राहुल गांधी ने चैथम हाउस थिंक टैंक में एक संवाद सत्र के दौरान इस बात पर भी जोर दिया कि राजनीतिक संवाद की बदलती प्रकृति पर ध्यान न देना कांग्रेस की अगुवाई वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार की विफलता का एक प्रमुख कारण बना। उन्होंने कहा, अगर आप आजादी से लेकर आज के समय को देखेंगे तो कांग्रेस अधिकतर समय सत्ता में रही। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा के 10 साल तक सत्ता में रहने से पहले हम 10 साल तक सत्ता में थे। भाजपा को यह मानना अच्छा लगता है कि वह भारत में सत्ता में आई है और हमेशा वही सत्ता में बनी रहेगी, हालांकि ऐसा नहीं है।भाजपा नीत सरकार 2014 से भारत में सत्ता में है। केरल के वायनाड से सांसद गांधी ने भारत में हो रहे बदलावों की ओर इशारा किया, जिसने कांग्रेस और संप्रग सरकार को अचंभित कर दिया था। हम ग्रामीण क्षेत्र पर काफी ध्यान केंद्रित कर रहे थे और शुरुआत में हम शहरी क्षेत्रों को लेकर चूक गए। यह एक तथ्य है, लेकिन यह कहना वास्तव में हास्यास्पद है कि भाजपा सत्ता में है और कांग्रेस का समय खत्म हो गया है। भाजपा ने राहुल गांधी पर चीन की प्रशंसा करते हुए विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया है।

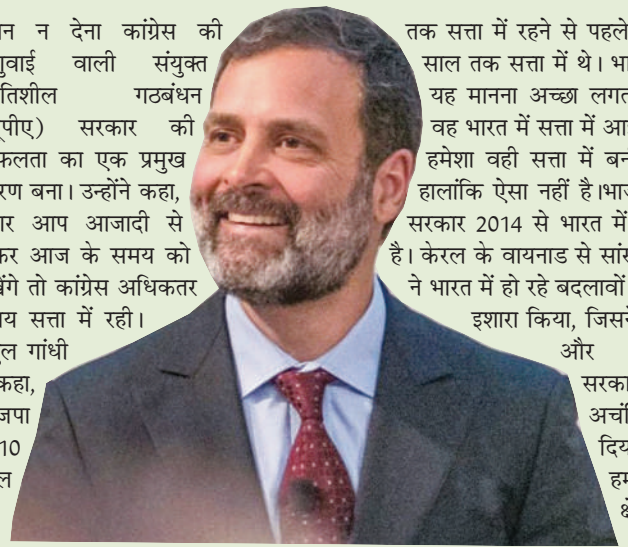

विदेश में भारत को बदनाम कर रहे हैं : अनुराग

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर उनके बयानों के लिए निशाना साधा और उनसे देश को धोखा न देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी आप भारत के साथ विश्वासघात मत कीजिए। भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाना दिखाता है कि आपको मुद्दे की समझ नहीं है। विदेशी जमीन पर जाकर अपने देश को बदनाम करने का आप जो प्रयास करते हैं, झूठ फैलाते हैं... इसे कोई नहीं मानेगा। ठाकुर ने आरोप लगाया कि कि गांधी अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए विदेशी धरती पर भारत को बदनाम कर रहे हैं। उधर भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने भी राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला उन्होंने कहा कि वही देश का अपमान कर रहे हैं।

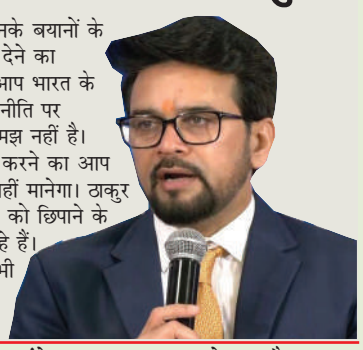

अतीक के बेटे की हो सकती है हत्या: रामगोपाल यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उमेश पाल हत्याकांड पर पुलिस एक्शन मोड में है। पुलिस ने एनकाउंटर में दो अपराधियों को मार गिराया है। वहीं, समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव ने ऐसी आशंका जताई है कि अतीक के एक बेटे की हत्या अगले एक-दो दिन में हो सकती है। रामगोपाल ने कहा कि अगर प्रदेश की व्यवस्था बदली तो सारे फर्जी एनकाउंटर की जांच होगी।

हालांकि, इस हत्याकांड के आरोपी अतीक अहमद ने खुद ऐसी आशंका जताई थी। उसकी ओर से इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दायर की गई है। वहीं, ऐसी भी खबरें सामने आई हैं कि वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधियों को भगाने में मुख्तार गैंग के सदस्यों ने मदद की थी, जिसके बाद पुलिस मुख्तार गैंग के सदस्यों पर पैनी नजर रख रही है।

कोनराड ने ली सीएम पद की शपथ

» लगातार दूसरी बार मेघालय में एनपीपी-बीजेपी सरकार की ताजपोशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिलांग। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के प्रमुख कोनराड संगमा ने लगातार दूसरी बार मेघालय के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली उनके शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और अन्य लोग शामिल हुए। मेघालय के राज्यपाल फागू चौहान ने संगमा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण से पहले कोनराड संगमा ने अपनी टीम के साथ प्रार्थन की।

मेघालय में एमडीए 2.0 सरकार में 12 मंत्री होंगे बनाए गए हैं। इन 12 में 8 एनपीपी से, 2 युनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) से और एक-एक हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचएसपीडीपी) और बीजेपी से हैं। सोमवार को दिल्ली में बीजेपी के बड़े नेताओं के प्रयासों से मेघालय में भी सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया था।

12 कैबिनेट मंत्रियों ने भी ली शपथ

मेघालय के 12 कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत 4 राज्य के गारो हिल क्षेत्र से हैं। बाकी 8 विभागों को खासी-जैंतिया हिल्स क्षेत्र के बीच वितरित किया गया है।रविवार की देर शाम दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी यूडीपी ने एनपीपी को समर्थन दिया है। यूडीपी के शीर्ष नेताओं ने मेघालय में एनपीपी को सत्ता से बाहर रखने के लिए कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के साथ मिलकर वैकल्पिक गठबंधन बनाने की कोशिश की थी। तृणमूल कांग्रेस और अन्य कुछ दलों ने गैरबीजेपी सरकार बनाने की कोशिशें कामयाब नहीं हो पाई। राज्य में पिछली बार के सत्तारूढ़ सीएम कोनराड संगमा की पार्टी एनपीपी को यूडीएफ और पीडीएफ ने समर्थन का पत्र दे दिया था। शपथ ग्रहण में गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और कुछ अन्य नेताओं की कोशिशों से मेघालय में सरकार का रास्ता बना। एनपीपी के 26 और यूडीएफ यानी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के 11 विधायक जीतकर आए हैं। 60 सदस्यीय विधानसभा में एनपीपी को बीजेपी के 2 और कुछ अन्य विधायकों का भी समर्थन पहले ही मिल चुका है। कल यूडीएफ के अलावा पीपल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) ने भी कोनराड को समर्थन का पत्र दिया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।